विद्याभवन,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक-23/06/2020***
वर्ग- तृतीय ***वर्ग-शिक्षिका— नीतू कुमारी***
पाठ-7 (गिल्लू)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कुछ कक्षाओं में आपने 'चोट अपनों की' कहानी का अध्ययन किए। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपने उस कहानी के प्रश्नावली को भी हल कर लिया होगा। आज हम गिल्लू कहानी का अध्ययन करेंगे, जो कि इस प्रकार है:—

दो कौए नन्ही गिलहरी पर बार-बार झपट्टा मार रहे हैं। गिलहरी डरी हुई है।

देखो तो, कौओं ने इसे कितना घायल कर दिया है।
हाँ बेचारी अधमरी हो गयी है।
अब शायद की यह बच पाए।

प्यारे गिल्लू! तुम्हें भूख लगी है न! लो, थोड़ा दूध पी ली।
शुक्रिया अम्माँ! आपने मेरी जान बचाई।

गिल्लू दीदी! हमारे पास आओ न!
गिल्लू! इधर आओ। मैं तुम्हें भरपेट खिलाऊँगी।
अहा! मेरा प्रिय भोजन।

तुम्हारा पेट मेरी ही थाली में खाकर भरता है। है न!
आप जल्दी ही ठीक हो जाएँगी। तब तक मैं आपका ध्यान रखूँगी।

आहा! ठंडक भी। नज़दीक भी।
ओह! लगता है अब मैं तुम्हें नहीं बचा पाऊँगी।

काश! हम कुछ समय और साथ रहते।
मुझे विश्वास है गिल्लू, तुम एक दिन सोनजुहि का फूल बनकर ज़रूर खिलोगी।

<u>हमने सीखा</u> — इस चित्रकथा से हमने सीखा कि पशु-पक्षी भी प्यार की भाषा समझते हैं। हमें उनको कभी हानि नहीं पहुँचानी चाहिए।

गृहकार्य:—
बच्चों, पेज नं— 45 में दिए गए अभ्यास का नं-2 और नं-3 हल करें।